



# भारत गांधी के बाद

दुनिया के विशालतम लोकतंत्र का इतिहास

## रामचंद्र गुहा



## अनुक्रम

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| प्रस्तावना: एक अस्वाभाविक राष्ट्र | ix  |
| भाग एक: ....और कारवां बनता गया!   |     |
| 1. आजादी और राष्ट्रपिता की हत्या  | 3   |
| 2. विभाजन का तर्क                 | 30  |
| 3. टोकरी में सेब                  | 43  |
| 4. एक रक्तरंजित हसीन वादी         | 74  |
| 5. शरणार्थी समस्या और गणराज्य     | 104 |
| 6. एक नए भारत की परिकल्पना        | 129 |
| भाग दो: नेहरू का भारत             |     |
| 7. इतिहास का सबसे बड़ा दाव        | 157 |
| 8. राष्ट्र और विश्व               | 187 |
| 9. देश का पुनर्गठन                | 225 |
| 10. प्रकृति पर विजय               | 251 |
| 11. कानून और इसके निर्माता        | 282 |
| 12. कश्मीर की रक्षा               | 302 |
| 13. आदिवासी समस्या                | 325 |
| भाग तीन: केंद्र को झटका           |     |
| 14. दक्षिण से चुनौती              | 349 |
| 15. पराजय का अनुभव                | 374 |
| 16. शांति का प्रयास               | 420 |
| 17. अल्पसंख्यक और दलित            | 450 |